

प्रेषक,

अर्जुन सिंह  
संयुक्त सचिव  
उत्तरांचल शासन।

संका नं.

नहरादेराक,  
विक्रितता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तरांचल देहरादून।

विक्रितता अनुभाग-3

देहरादून दिनांक : 30 मार्च, 2005

विषय: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र -रायपुर, जनपद देहरादून के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं-75/1/सौ.एच.सी./52/2004/889 दिनांक 15.01.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2004-2005 में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुर जनपद देहरादून के भवन निर्माण हेतु रु० 95,32,000=00 (नौपचास लाख बत्तीस हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक / वित्तीय अनुमोदन तथा मालू वित्तीय वर्ष 2004-2005 में व्यय हेतु रु० 40,00,000=00 (40 लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्देशन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है :-

- 1- एकमुस्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।
- 2- कार्य कराते समय लगे 10 दिनों के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष धन दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
- 3- उक्त धनराशि तत्काल आधारित की जायेगी तथा तत्पश्चात् निर्माण ईकई परियोजना प्रबन्धक, सी०एण्ड डी०एल० को उपलब्ध कराई जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाजार सख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैनुअल टेन्डर/कोटेशन तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- आगमन में उल्लिखित दरों का विरलेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों में जो दरें शिद्धूल ऑफ़ सेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी ली गयीं हों, कि स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण स्तर के अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राथमिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राथमिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 7- कार्य पर उतारना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- एक मुस्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रमलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भू-भौतिक निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के परभाव स्थल आवश्यकतानुसार निदेशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 11- आगमन जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 12- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्गत किया गया है।
- 13- निर्माण के समय यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की स्वीकृति आवश्यक होगी।
- 14- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय।

15- धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं नित्यव्ययता को ध्यान में रख कर किया जाए ।

16- उक्त व्यय लेखाबुजान वर्ष 2004-05 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय-आयोजनागत-02 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ -104 सानुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-03-सानुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना 02- सानुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण (विस्तार अश) 24-वृहत निर्माण कार्य के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रचर बी0एन0-15 के अनुसार 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय-आयोजनागत-01 शहरी स्वास्थ्य सेवाएँ -001 निदेशन तथा प्रशासन-00-03-चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुर्वेद, होम्योपैथ तथा यूनानी निदेशालय भवन का निर्माण 24-वृहत निर्माण कार्य की वृत्त से वहन किया जायेगा ।

16- यह आदेश कित्त विभाग के अशा0 सं0- 1491/वित्त अनुभाग-2/दिनांक 24.3.2005 से प्राप्त सहमति से जारी किया जा रहे हैं ।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)  
संयुक्त सचिव

पृ0सं0-05/XXV.II.1 (3) 2005-24/2005 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महासंचालक, उत्तरांचल, नजर्रा देहरादून ।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून ।
- 3- कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून ।
- 5- मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून ।
- 6- परिचोजना प्रबन्धक, उ0प्र0सं0एचडी डी0एचडी जल निगम उत्तरांचल ।
- 7- विजी सचिव मः0 मुख्य मुख्यमंत्रि ।
- 8- वित्त अनुभाग-2
- 9- गार्ड फाइल ।

आज्ञा से  
(अर्जुन सिंह)  
संयुक्त सचिव



समाप्तदेश सं० 95/XXVIII(3) 2004-24/2005 दिनांक 20.3.2005 संलग्नक 1  
 निबंधकअधिकारी, महानिदेशक, विधिकरण स्थापना एवं परिवार कल्याण,  
 अजमेर सं०-12 उदयपल, देहगढ़ा 1

(प्रतिय वर्ष 2004-05)

वर्ग प्रमाणित तथा सामयिक या निवृत्त (प्राप्त भू.)	भागी परिवार अनुसंधानिक व्यय	प्रतिय वर्ष की शेष अधीन में व्यय	अवशेष (भरव)	सामयिक निवृत्त भवति समाप्त-वर्ष विषय जाना है (प्राप्त भू.)	प्रति-प्रमाणित न के बाद अवशेष भवति	प्रति-प्रमाणित के बाद कौलम-1 की अवशेष भवति	अनुसंधान
1	2	3	4	5	6	7	8
4210-निवृत्त तथा लोक स्वास्थ्य पर प्रमाणित परिवार-आयोजनगत 01- शहरी स्वास्थ्य सेवाओं 001- निदेशन तथा प्रशासन 00- विकिसा. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुर्वेद सामयिक तथा प्रमाणित निदेशन तथा प्रमाणित 24-वृद्ध निर्माण कार्य				4210-निवृत्त तथा लोक स्वास्थ्य पर प्रमाणित परिवार-आयोजनगत 02- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं 104- सामयिक स्वास्थ्य केन्द्र 00-सामयिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना 0302-सामयिक स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रमाणित (विवरण अंश) 24-वृद्ध निर्माण कार्य			(क) विधिकरण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुर्वेद सामयिक तथा प्रमाणित निदेशन तथा प्रमाणित सेवाओं में अनुसंधान से अधिक बजट प्रमाणित होने के कारण भवति की व्यय है। (ख) सामयिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण (विवरण अंश) योजना के अंतर्गत कर बजट प्रमाणित होने के कारण भवति की अनुसंधान है।
30000	-	5000	25000	4000	33548	26000	
योग	30000	5000	25000	4000	33548	26000	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त प्रमाणित वर्ष बजट प्रमाणित के प्रमाणित  
 151,156 में वित्तियन प्रमाणित एवं योगों का बजटपन चली होता है ।

(अर्थन सिंह)

1171

उत्तरांचल शासन  
वित्त अनुभाग - 2  
संख्या 1491/(A)वित्त अगु-2/2004  
देहरादून : दिनांक 2005

ॐ

## पुनर्विनियोजन स्वीकृति

एलाएमओ पंत  
अपर सचिव,  
वित्त विभाग

सेवा में,

महालेखाकार

उत्तरांचल (रोयडा एवं हकदारी)

गजरा सहारनपुर रोड, देहरादून।

सं० 95/XXVIII(3)-2004-24/2005 दिनांक तदर्थनोक्ति

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
2. वित्त अनुभाग-2
3. गार्ड फाईल

आशा है,  
( अर्जुन सिंह )  
संयुक्त सचिव